१३. विप्लव गान

– बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'

लेखनीय

आयोजक के नाते 'कवि संम्मेलन' संबंधी विज्ञापन बनाइए :–

कृति के लिए आवश्यक सोपान :

●विद्‌यार्थियों को विज्ञापन बनाने के लिए आवश्यक मुद्‌दें दे । ● विज्ञापन के प्रारूप संबंधी चर्चा करें । ● स्थल, समय, प्रवेश शल्क आदि को लेकर विज्ञापन का कच्चा प्रारुप बनवाएँ ● आकर्षक विज्ञापन बनवाएँ ।

कवि, कुछ ऐसी तान सुनाओ, जिससे उथल-पुथल मच जाए,
एक हिलोर इधर से आए, एक हिलोर उधर से आए,
प्राणों के लाले पड़ जाएँ, त्राहि-त्राहि रव नभ में छाए,
नाश और सत्यानाशों का... धुआँधार जग में छा जाए,
बरसे आग, जलद जल जाएँ, भस्मसात भूधर हो जाएँ,
पाप-पुण्य सदसद भावों की, धूल उड़ उठे दायें-बायें,
नभ का वक्षस्थल फट जाए, तारे टूक-टूक हो जाएँ
कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ, जिससे उथल-पुथल मच जाए ।

माता की छाती का अमृतमय पय कालकूट हो जाए,
आँखों का पानी सूखें, वह शोणित की घूँटें हो जाएँ,
एक ओर कायरता काँपे, गतानुगति विगलित हो जाए,
अंधे मूढ़ विचारों की वह अचल शिला विचलित हो जाए,
और दूसरी ओर कँपा देने वाला गर्जन उठ धाए,
अंतरिक्ष में एक उसी नाशक तर्जन की ध्वनि मँड़राएँ,
कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ, जिससे उथल-पुथल मच जाए ।

नियम और उपनियमों के ये बंधन टूक-टूक हो जाएँ,
विश्वंभर की पोषण वीणा के सब तार मूक हो जाएँ
शांति दंड टूटे उस महारुद्र का सिंहासन थर्राए
उसकी श्वासोच्छ्‌वास दायिका, विश्व के प्रांगण में घहराए,
नाश ! नाश हा महानाश !!! की प्रलयंकारी आँख खुल जाए,
कवि, कुछ ऐसी तान सुनाओ जिससे उथल-पुथल मच जाए ।

परिचय

जन्म : १८९७ भयाना, ग्वालियर (म.प्र.)
मृत्यु : २९ अप्रैल १९६०
परिचय : 'नवीन' जी को अपने देश की संस्कृति और सभ्यता पर बड़ा गर्व था । राष्ट्रप्रेम उसकी कविताओं का मुख्य स्वर है । आप कवि, गद्‌यकार, अद्‌वितीय वक्ता, राजनीतिज्ञ और पत्रकार थे । आपकी लेखनशैली पर आपकी अपनी भाषण कला का स्पष्ट प्रभाव है ।
प्रमुख कृतियाँ : प्राणार्पण, उर्मिला, अपलक, रश्मिरेखा, कुंकुम, हम विषपायी जनम के आदि (काव्यसंग्रह) ।

पद्‌य संबंधी

'नवीन' जी ने इस कविता के माध्यम से कवियों को समाज में नव जागरण करने वाली क्रांतिकारी रचनाएँ करने के लिए प्रेरित किया है ।

सावधान ! मेरी वीणा में, चिनगारियाँ आन बैठी हैं,
टूटी हैं मिजराबें, अँगुलियाँ दोनों मेरी ऐंठी हैं ।
कंठ रुका है महानाश का मारक गीत रुद्‌ध होता है,
आग लगेगी कण में, हृत्तल में अब क्षुब्ध युद्‌ध होता है ।
झाड़ और झंखाड़ दग्ध हैं – इस ज्वलंत गायन के स्वर से
रुद्‌ध गीत की युद्‌ध तान है निकली मेरे अंतरतर से ।

आसपास

हिंदी के प्रसिद्‌ध कवियों की जानकारी और रचनाओं के नाम संकलित कीजिए ।

संभाषणीय

उपक्रमों की जानकारी की संगणक की सहायता से क्रमबद्‌ध प्रस्तुति कीजिए ।

शब्द संसार

भस्मसात (वि.) = जलकर राख हो जाना ।
भूधर (पुं. सं.) = पहाड़, पर्वत
शोषित (वि.) =लाल, लहू
गतानुगति (वि.) =अनुसार
विगलित (वि.) =ढीला पड़ना, बिगड़ना
दायिका (वि.) =दायक देनेवाला
मिजराबें (स्त्री.अ.) =तार का नुकीला छल्ला
झाड़-झंखड़ (पु.सं.) =काँटेदार पेड़ों का समूह

श्रवणीय

अंतरजाल से कोई प्रेरणागीत सुनिए ।

पठनीय

पुस्तकालय से किसी सफल महिला खिलाड़ी की जानकारी पढ़िए ।

पाठ के आँगन में

(१) सूचनानुसार कृतियाँ कीजिए :-

(क) संजाल :

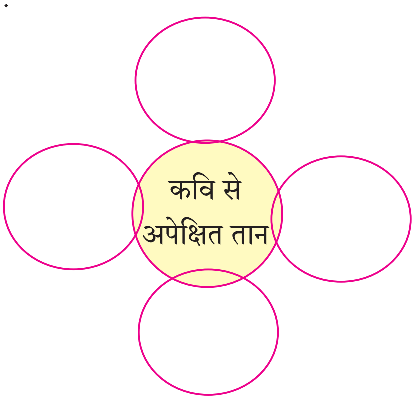

(ख) 'नियम और उपनियमों के ये बंधन टूक-टूक हो जाएँ' इस पंक्ति द्‌वारा कवि सूचित करना चाहते हैं ......

(२) कविता के प्रथम चरण का भावार्थ लिखिए ।

पाठ से आगे

संस्कारक्षम उद्‌धरण, भाषाई सौंदर्यवाले वाक्य, सुवचनों का संकलन कीजिए ।

रचना बोध

....
....
....

रचना एवं व्याकरण विभाग

- पत्रलेखन (व्यावसायिक /कार्यालयीन)
- कहानी लेखन
- वृत्तांत लेखन
- विज्ञापन
- निबंध लेखन
- गद्‍य आकलन (प्रश्न तैयार करना)
- व्याकरण विभाग

पत्रलेखन

कार्यालयीन पत्र

कार्यालयीन पत्राचार के विविध क्षेत्र

- बैंक, डाकविभाग, विद्‍युत विभाग, दूरसंचार, दूरदर्शन आदि से संबंधित पत्र
- महानगर निगम के अन्यान्य / विभिन्न विभागों में भेजे जाने वाले पत्र
- माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडल से संबंधित पत्र
- अभिनंदन/प्रशंसा (किसी अच्छे कार्य से प्रभावित होकर) पत्रलेखन करना ।
- सरकारी संस्था द्‍वारा प्राप्त देयक (बिल आदि) से संबंधित शिकायती पत्र

व्यावसायिक पत्र

व्यावसायिक पत्राचार के विविध क्षेत्र

- किसी वस्तु/सामग्री/ पुस्तकें आदि की माँग करना ।
- शिकायती पत्र - दोषपूर्ण सामग्री/ चीजें/ पुस्तकें/ पत्रिका आदि प्राप्त होने के कारण पत्रलेखन
- आरक्षण करने हेतु (यात्रा के लिए) ।
- आवेदन पत्र - प्रवेश, नौकरी आदि के लिए ।

प्रशंसा पत्र

प्रशंसनीय कार्य करने के उपलक्ष्य में

उद्‍यान विभाग प्रमुख

अनुपयोगी वस्तुओं से आकर्षक तथा उपयुक्त वस्तुओं की निर्मिति । जैसे- आसन व्यवस्था, पेय जल सुविधा, स्वच्छता गृह आदि ।

अभिनंदन/प्रशंसा पत्र

प्रशंसनीय कार्य के उपलक्ष्य में

बस स्थानक प्रमुख

ब्रेक फेल होने के बाद चालक ने अपनी समयसूचकता तथा होशियारी से सभी यात्रियों के प्राण बचाए ।

कहानी लेखन

- ✻ मुद्‌दों के आधार पर कहानी लेखन करना ।
- ✻ शब्दों के आधार पर कहानी लेखन करना ।
- ✻ किसी कहावत, सुवचन, मुहावरे, लोकोक्ति पर आधारित कहानी लेखन करना ।

मुहावरे, कहावतें/लोकोक्तियाँ, सुवचन,

मुहावरे

- ✻ आँखों पर परदा पड़ना ।
- ✻ एड़ी-चोटी का जोर लगाना ।
- ✻ रुपया पानी की तरह बहाना ।
- ✻ पहाड़ से टक्कर लेना ।
- ✻ जान हथेली पर धरना (रखना) ।
- ✻ लकीर का फकीर होना ।
- ✻ पगड़ी सँभालना ।
- ✻ काला अक्षर भैंस बराबर ।
- ✻ घाट-घाट का पानी पीना ।
- ✻ अकल के घोड़े दौड़ाना ।
- ✻ पत्थर की लकीर होना ।
- ✻ भंडाफोड़ करना ।
- ✻ रंगा सियार होना ।
- ✻ हाँ में हाँ मिलाना ।

कहावतें/लोकोक्तियाँ

- ✻ अंधों में काना राजा ।
- ✻ ओखली में सिर दिया तो मूसलों का क्या डर ।
- ✻ चमड़ी जाए पर दमड़ी न जाए ।
- ✻ जहाँ न पहुँचे रवि, वहाँ पहुँचे कवि ।
- ✻ अंधा बाँटे रेवड़ी अपने कुल को देय ।
- ✻ अंधेर नगरी चौपट राजा ।
- ✻ आँख और कान में चार अंगुल का फर्क है ।
- ✻ अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत ।
- ✻ हाथ कंगन को आरसी क्या ।
- ✻ चोर की दाढ़ी में तिनका ।
- ✻ कोयले की दलाली में हाथ काला ।
- ✻ अधजल गगरी छलकत जाए ।
- ✻ निंदक नियरे राखिए ।
- ✻ ढाक के तीन पात ।

सुवचन

- ✻ वसुधैव कुटुंबकम्‌ ।
- ✻ सत्यमेव जयते ।
- ✻ पेड़ लगाओ, पृथ्वी बचाओ ।
- ✻ जल ही जीवन है ।
- ✻ पढ़ेगी बेटी तो सुखी रहेगा परिवार ।
- ✻ अनुभव महान गुरु है ।
- ✻ बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ ।
- ✻ अतिथि देवो भवः ।
- ✻ राष्ट्र ही धन है ।
- ✻ जीवदया ही सर्वश्रेष्ठ है ।
- ✻ असफलता सफलता की सीढ़ी है ।
- ✻ श्रम ही देवता है ।
- ✻ राखौ मेलि कपूर में, हींग न होत सुगंध ।
- ✻ करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान ।

निम्नलिखित मुद्‌दों के आधार पर कहानी लिखिए तथा उसे उचित शीर्षक देकर उससे प्राप्त होने वाली सीख भी लिखिए :

एक लड़का ——— रोज निश्चित समय पर घर से निकलना ——— वृद्धाश्रम में जाना ——— माँ का परेशान होना ——— सच्चाई का पता चलना ——— गर्व महसूस होना ।

निम्नलिखित शब्दों के आधार पर कहानी लिखिए तथा उसे उचित शीर्षक दीजिए :

रोबोट (यंत्रमानव), गुफा, झोंपड़ी, समुद्र ।

✻ प्रश्न निर्मिति के लिए निम्नलिखित प्रश्नचार्ट उपयुक्त हो सकता है ।

प्रश्नचार्ट-

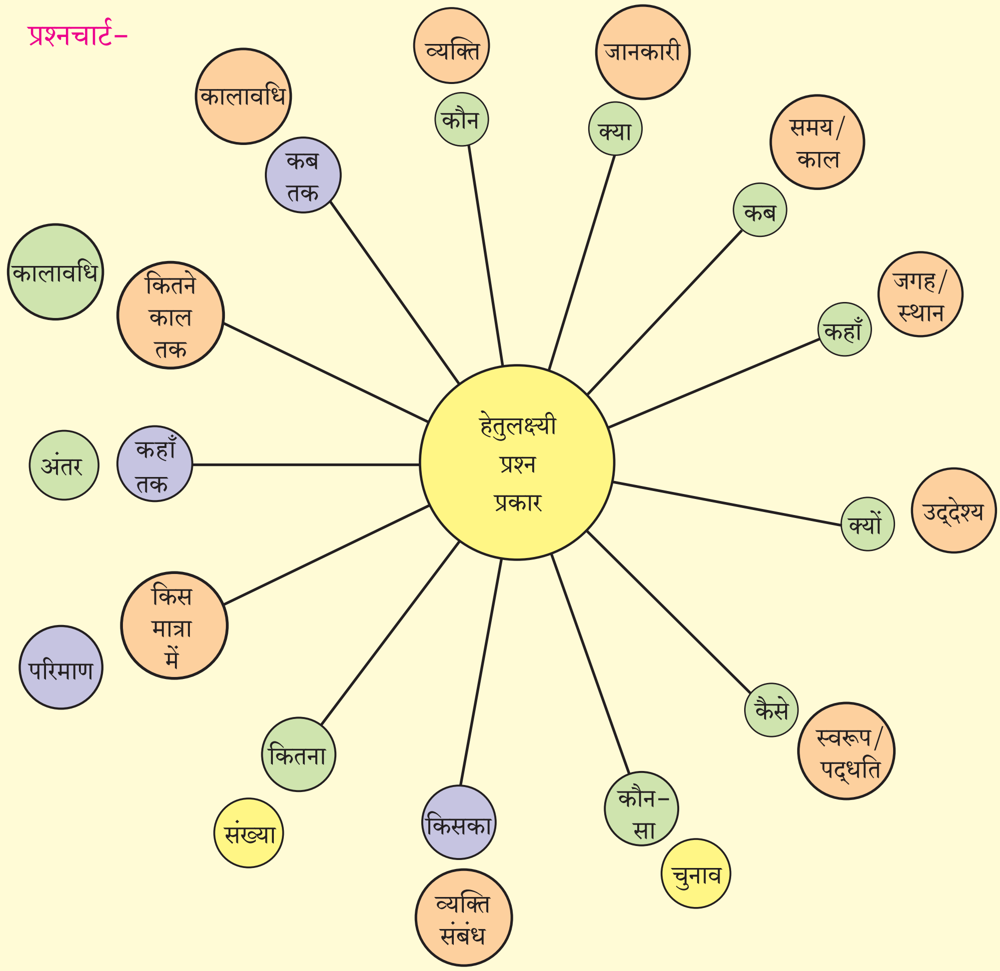

निम्नलिखित अपठित गद्‌यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

(१) कारण लिखिए :-

(क) विमान के प्रति लेखक का आकर्षित होना

(ख) लेखक ने एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग को अपना अध्ययन क्षेत्र चुनना

पहली बार मैंने एम. आई. टी. में निकट से विमान देखा था, जहाँ विद्‌यार्थियों को विभिन्न सब- सिस्टम दिखाने के लिए दो विमान रखे थे । उनके प्रति मेरे मन में विशेष आकर्षण था । वे मुझे बार-बार अपनी ओर खींचते थे । मुझे वे सीमाओं से परे मनुष्य की सोचने की शक्ति की जानकारी देते थे तथा मेरे सपनों को पंख लगाते थे । मैंने एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग को अपना अध्ययन क्षेत्र चुना क्योंकि उड़ान भरने के प्रति मैं आकर्षित था । वर्षों से उड़ने की अभिलाषा मेरे मन में पलती रही । मेरा सबसे प्यारा सपना यही था कि सुदूर आकाश में ऊँची और ऊँची उड़ान भरती मशीन को हैंडल किया जाए ।

(२) 'मेरी अभिलाषा' लगभग छह से आठ पंक्तियों में लिखिए ।

● वृत्तांत लेखन

अपने विद्‌यालय में मनाए गए 'वाचन प्रेरणा दिवस/हिंदी दिवस/विज्ञान दिवस/राजभाषा दिवस/ शिक्षक दिवस/ वसुंधरा दिवस/ क्रीड़ा दिवस आदि का वृत्तांत रोचक भाषा में लिखिए । (लगभग ६० से ८० शब्दों में)

(वृत्तांत में स्थल, काल और घटना का होना अनिवार्य है ।)

विज्ञापन

निम्न विषयों पर विज्ञापन तैयार किए जा सकते हैं ।

(१) वस्तुओं की उपलब्धि :– नवनिर्मित (किसी भी वस्तु संबंधी)
जैसे– किताबें, कपड़े, घरेलू आवश्यक वस्तुएँ, उपकरण, फर्नीचर, स्टेशनरी, शालोपयोगी वस्तुएँ तथा उपकरण आदि ।

(२) शैक्षिक :– शिक्षा में संबंधित योगासन तथा स्वास्थ्य शिविर, स्वच्छ, सुंदर, शुद्‌ध लिखावट, चित्रकला, इंटरनेट तथा विविध ऐप्स आदि कलाओं से संबंधित अभ्यास वर्ग, व्यक्तित्व विकास शिविर आदि ।

(३) आवश्यकता :– वाहक–चालक, सेवक, चपरासी, द्‌वारपाल, सुरक्षा रक्षक, व्यवस्थापक, लिपिक, अध्यापक, संगणक अभियंता, आदि ।

(४) व्यापार विषयक :– दूकान, विविध वाहन, उपकरण, मकान, मशीन, गोदाम, टी. वी., संगणक, भूखंड, रेफ्रीजरेटर आदि ।

(५) मनोरंजन तथा ज्ञानवर्धन :– व्याख्यानमाला, परिसंवाद, नाटक वार्षिकोत्सव, विविध विशेष दिनों के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम समारोह आदि ।

(६) पर्यटन संबंधी :– यात्रा विषयक, आरक्षण आदि

(७) वैयक्तिक :– श्रद्‌धांजली, शोकसंदेश, जयंती, पुण्यतिथि, गृहप्रवेश, बधाई आदि ।

निबंध लेखन

निबंध

वैचारिक	वर्णनात्मक	कल्पनाप्रधान	चरित्रात्मक	आत्मकथात्मक
(१) सेल्फी : सही या गलत	विज्ञान प्रदर्शनी का वर्णन	यदि श्यामपट बोलने लगा	मेरा प्रिय रचनाकार	भूमिपुत्र की आत्मकथा
(२) अकाल : एक भीषण समस्या	नदी किनारे एक शाम	यदि किताबें न होती	मेरे आदर्श	मैं हूँ भाषा

विद्‌यार्थियों द्‌वारा बनाई गईं हस्तकला तथा चित्रकला की वस्तुओं की प्रस्तुति करने के लिए विज्ञापन

- विशेषताएँ तथा उद्‌देश्य
- स्थान, समय, तिथि

गद्‌य आकलन–प्रश्न तैयार करना

विवेकानंद की आत्मकथा से

निम्नलिखित गद्‌यांश पर ऐसे पाँच प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर एक–एक वाक्य में हो ।

मेरा विश्वास है कि नेता गढ़े नहीं जाते । वे जन्म लेते हैं । नेता का असली लक्षण है कि वे भिन्न मतावलंबियों को आम संवेदना के जरिए इकट्‌ठा कर सकते हैं । यह काम स्वाभाविक क्षमतावश अपने आप संपन्न हो जाता है, कोशिश करके यह संभव नहीं है । पश्चिमी देश से प्रत्यावर्तन से कुछ पहले एक अंग्रेज मित्र ने मुझसे सवाल किया था, ‘‘स्वामी जी, चार वर्ष विलास की लीलाभूमि, गौरव के मुकुटधारी, महाशक्तिशाली पाश्चात्य भूमि पर भ्रमण के बाद मातृभूमि आपको कैसी लगेगी ?’’

मैंने उत्तर दिया, ‘‘पाश्चात्य भूमि में आने से पहले मैं भारत से प्यार करता था । अब भारत भूमि का धूल कण तक मेरे लिए पवित्र है । भारत की वायु मेरे लिए पवित्रतायुक्त है । मेरे लिए वह देश अब तीर्थ–स्वरूप है ।’’ इसके अलावा मेरे मन को अन्य कोई उत्तर नहीं सूझा ।

नमूना प्रश्न :

(१) लेखक का विश्वास किस बात में है ?
(२) नेता के असली लक्षण कौन–से होते हैं ?
(३) स्वामी जी कितने साल पाश्चात्य भूमि पर रहे ?
(४) लेखक के लिए भारत की वायु कैसी है ?
(५) लेखक किसे तीर्थ स्वरूप मानते हैं ?

व्याकरण विभाग

शब्द

(१) विकारी शब्द और उसके भेद

संज्ञा	सर्वनाम	विशेषण	क्रिया
जातिवाचक	पुरुषवाचक	गुणवाचक	सकर्मक
व्यक्तिवाचक	निश्चयवाचक	परिमाणवाचक १.निश्चित २.अनिश्चित	अकर्मक
भाववाचक	अनिश्चयवाचक निजवाचक	संख्यावाचक १. निश्चित २. अनिश्चित	संयुक्त
द्रव्यवाचक	प्रश्नवाचक	सार्वनामिक	प्रेरणार्थक
समूहवाचक	संबंधवाचक	–	सहायक

(२) अविकारी (अव्यय) और उसके भेद

क्रियाविशेषण
संबंधसूचक
समुच्चयबोधक
विस्मयादिबोधक

(३) **काल और उनके भेद**

- वर्तमान काल
  - सामान्य
  - अपूर्ण
  - पूर्ण
- भूतकाल
  - सामान्य
  - अपूर्ण
  - पूर्ण
- भविष्य काल
  - सामान्य

(४) **वाक्य के प्रकार**

रचना की दृष्टि से

१. साधारण
२. मिश्र
३. संयुक्त

अर्थ की दृष्टि से

१. विधानार्थक
२. निषेधार्थक
३. प्रश्नार्थक
४. आज्ञार्थक
५. विस्मयाधिबोधक
६. संदेशसूचक

(५) **शुद्‌धाक्षरी–** शब्दों को शुद्‌ध रूप में लिखना ।

(६) **मुहावरों का प्रयोग/चयन करना**

(७) **संधि और उसके भेद**

- स्वर संधि
- व्यंजन संधि
- विसर्ग संधि

(८) **अलंकार और उनके भेद**

शब्दालंकार

(१) अनुप्रास
(२) यमक
(३) श्लेष

अर्थालंकार

(१) उपमा
(२) उत्प्रेक्षा
(३) रूपक

(९) **छंद और उनके प्रकार**

- दोहा
- चौपाई
- सोरठा
- गीतिका

(१०) **शब्द संपदा–** व्याकरण ५ वीं से ८ वीं तक

शब्दों के लिंग, वचन, विलोमार्थक, समानार्थी, पर्यायवाची, शब्दयुग्म, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, भिन्नार्थक शब्द, कठिन शब्दों के अर्थ, विरामचिह्न, उपसर्ग-प्रत्यय पहचानना/अलग करना, लय-ताल युक्त शब्द ।

—०—